

राजस्थान-सरकार

कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा, बीकानेर

ईमेल - cdeo.bikaner.dse@rajasthan.gov.in

क्रमांक-मुजिशिअ/समसा/बीका/सामान्य/2023/

पता:- कोठी न. 03, हनुमानहट्ठा, बीकानेर

दिनांक-

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा, बीकानेर
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त जिला बीकानेर

विषय :- 18 जनवरी 2024 को अणुव्रत गीत महासंगान के आयोजन बाबत।

प्रसंग:- अणुव्रत समिति, बीकानेर के पत्र दिनांक 01.01.2024

उपर्युक्त विषय एवं प्रासंगिक पत्र के क्रम में लेख है कि विद्यार्थियों में नैतिक एवं मानवीय मुल्यों के संवर्द्धन हेतु महान संत आचार्य तुलसी द्वारा रचित अणुव्रत गीत का महासंगान का आयोजन दिनांक 18.01.2024 को किया जाना है।

इस संदर्भ में आपसे निवेदन है कि अपने क्षेत्राधीन समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में 18.01.2024 की प्रार्थना सभा में संलग्न अणुव्रत गीत का विद्यार्थियों से सामूहिक गायन करवाया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही, संलग्न अणुव्रत संकल्प को भी विद्यार्थियों को दिलावे।

संलग्न :- अणुव्रत गीत एवं अणुव्रत आचार-संहिता।

(सुरेन्द्र सिंह भाटी)
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, बीकानेर

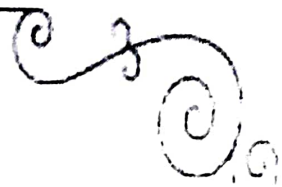
दिनांक-11-01-2024

क्रमांक-मुजिशिअ/समसा/बीका/सामान्य/2023/15449-51

1. श्रीमान् निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।
2. श्रीमान् संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, बीकानेर संभाग, बीकानेर
3. श्रीमान् अध्यक्ष अणुव्रत समिति, उदयपुर।
4. कार्यालय प्रति।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, बीकानेर

अणुव्रत गीत : 1



नियममय जीवन हो ॥

नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो।

संयममय जीवन हो ॥

अपने से अपना अनुशासन, अणुव्रत की परिभाषा
वर्ण, जाति या सम्प्रदाय से मुक्त धर्म की भाषा
छोटे-छोटे संकल्पों से मानस-परिवर्तन हो
संयममय जीवन हो ॥

मैत्री-भाव हमारा सबसे प्रतिदिन बढ़ता जाए
समता, सह-अस्तित्व, समन्वय-नीति सफलता पाए
शुद्ध साध्य के लिए नियोजित मात्र शुद्ध साधन हो
संयममय जीवन हो ॥

विद्यार्थी का शिक्षक हो मजदूर और व्यापार
नर हो नारी बने नीतिमय जीवनचर्या सारी
कथनी-करनी की समानता में गतिशील चरण हो
संयममय जीवन हो ॥

प्रभु बनकर के ही हम प्रभु की पूजा कर सकते हैं
प्रान्णिक बनकर ही संकट सागर तर सकते हैं
शौर्य-वीर्य-बलवती अहिंसा ही जीवन-दर्शन हो
संयममय जीवन हो ॥

सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा
'तुलसी' अणुव्रत-सिंहनाद सारे जग में प्रसरेगा
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो
संयममय जीवन हो ॥



अणुव्रत आचार-संहिता

मैं किसी भी निरपराध प्राणी का संकल्पपूर्वक वध नहीं करूंगा।

- आत्म-हत्या नहीं करूंगा।

- भ्रूण हत्या नहीं करूंगा।

मैं आक्रमण नहीं करूंगा।

- आक्रामक नीति का समर्थन नहीं करूंगा।

- विश्वशांति तथा निःशस्त्रीकरण के लिए प्रयत्न करूंगा।

३. मैं हिंसात्मक एवं तोड़फोड़मूलक प्रवृत्तियों में भाग नहीं लूंगा।

४. मैं मानवीय एकता में विश्वास करूंगा।

- जाति, रंग आदि के आधार पर किसी को उच्च-निम्न नहीं मानूंगा।

- अस्पृश्य नहीं मानूंगा।

५. मैं धार्मिक सहिष्णुता रखूंगा।

- साम्प्रदायिक उत्तेजना नहीं फैलाऊंगा।

६. मैं व्यवसाय और व्यवहार में प्रामाणिक रहूंगा।

- अपने लाभ के लिए दूसरों को हानि नहीं पहुंचाऊंगा।

- छलपूर्ण व्यवहार नहीं करूंगा।

७. मैं कदाचर्य की साधना और संश्रुति की सीमा का निर्धारण करूंगा।

८. मैं चुनाव के संबंध में अनैतिक आचरण नहीं करूंगा।

९. मैं सामाजिक कुरूपियों को प्रश्रय नहीं दूंगा।

१०. मैं व्यसनमुक्त जीवन जीऊंगा।

- मादक तथा नशीले पदार्थों—शराब, गांजा, चरस, हेरोइन, भांग, तम्बाकू आदि तथा मांस, अण्डा, मछली आदि मांसाहार का सेवन नहीं करूंगा।

११. मैं पर्यावरण की समस्या के प्रति जागरूक रहूंगा।

- हरे-भरे वृक्ष नहीं काटूंगा।

- पानी, बिजली आदि का अपव्यय नहीं करूंगा।